गाएं ॐ नमः शिवाय

वेद पुराण हर ग्रंथ ऋचाएं,
गाएं ॐ नमः शिवाय,
पर्वत नदियां दसों दिशाएं,
गाएं ॐ नमः शिवाय...

कंकर कंकर में हैं शंकर,
घट घट में गूंजे है मंत्र,
संत अघोरी मानव दानव,
सब मिलकर गाएं,
गाएं ॐ नमः शिवाय,
वेद पुराण हर ग्रंथ ऋचाएं,
पर्वत नदियां दसों दिशाएं,
गाएं ॐ नमः शिवाय....

जटा में गंगा शशि मस्तक पे,
अंग भभूत रमाए,
लीला इनकी ऐसी,
जो लोकों में वर्णी ना जाए,
जो चरणों से नेह लगाए,
राजीव चरणों से नेह लगाए,
वो पार सदा ही पाए,
कल्याणकारी सदैव हितकारी,
मंत्र है यह ॐ नमः शिवाय,
ॐ नमः शिवाय,
हरि ॐ नमः शिवाय,
वेद पुराण हर ग्रंथ ऋचाएं,
गाएं ॐ नमः शिवाय,
हरि ॐ नमः शिवाय....

®राजीव त्यागी नजफगढ़

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28064/title/gaaye-om-namah-shivaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |